सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

शिक्षा व शिक्षण से जुड़े सभी लोगों को शिक्षक दिवस की बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारी संस्कृति में 'आचार्य देवो भव:' के पुनीत भाव के साथ गुरू को देवता के समतुल्य माना गया है। गुरू की महिमा और महत्व से जुड़े अनेक प्रसंग हमें मिलते हैं जो हमारे जीवन में गुरू के महत्व को सराहते हैं। कहा गया है-

'दृष्टान्तो नैव दृष्ट: त्रि-भुवन जठरे, सद्गुरोः ज्ञान दातुः'

अर्थात्, पूरे ब्रह्मांड में गुरू की कोई उपमा नहीं होती, कोई बराबरी नहीं होती। जो काम गुरू कर सकता है वह कोई नहीं कर सकता। हमारे जीवन के विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति में किसी न किसी शिक्षक का योगदान अवश्य होता है।

हमारे विद्यार्थियों में क्षमता निर्माण और नवीनतम तकनीक के समावेश से शिक्षा को सहज और समावेशी बनाने की दिशा में हमारे शिक्षकों के समर्पित प्रयास प्रेरक हैं।

देश की आजादी के अमृत कालखण्ड में भव्य व विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का बड़ा दायित्व हमारे शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों पर है। नयी पीढ़ी के सपनों और आकांक्षाओं को राष्ट्र निर्माण के संकल्पों के साथ एकीकृत करने में हमारे शिक्षकों की भूमिका अहम् रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि शिक्षा क्षेत्र में हो रहे भविष्योन्मुखी बदलावों का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने और 21वीं सदी के नए भारत के निर्माण में हमारे शिक्षक महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

देश और समाज की उन्नति के लिए निरंतर प्रयास कर रहे सभी शिक्षकों को नमन और एक बार फिर से शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 11, शक संवत् 1944
02 सितंबर, 2022